>

Title: Issue regarding recruitment procedure in Andaman and Nicobar Islands.

श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह): सभापति महोदय, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में अंडमान के जो नौजवान हैं, जिन्होंने बीडीएस की डिग्री हासिल की है, आज उनको नौकरी नहीं मिल रही है। हमारे प्रशासन के लोग भारत के बाकी राज्यों से ले कर भर्ती किए जा रहे हैं। इसका विरोध शुरू हो रहा है। मैं आपको कहना चाहता हूँ कि हाल ही में दो पोस्ट जीडीएमओ (डेंटल) के लिए कॉन्ट्रेक्ट में एनआरएच की स्कीम के माध्यम से भर्ती की गई है। लोकल डॉक्टर को प्रिफरेंस देना है। स्वास्थ विभाग में दो जीडीएमओ (डेंटल) के लिए विज्ञापन निकला था, उसी मुताबिक 16 आदमियों ने अप्लाई किया था। जिसमें अंडमान के 7 डॉक्टर्स, जिन्होंने बीडीएस किया है, उन्होंने अप्लाई किया है। जिनका एक्सपिरिएंस सर्टिफिकेट भी है, सुनामी के समय सर्विस भी दिया गया। उसमें ऐसे तमिल डॉक्टर्स हैं, जिनको उपराज्यपाल ने कंमडेशन सर्टिफिकेट भी दिया था। उनको नौकरी नहीं मिली। उसके बदले में राजस्थान और बाकी राज्यों से ला कर डॉक्टरों को भर्ती कर दिया गया है। एनआरएचएम की गाइडलाइंस के मुताबिक तीन साल का एक्सपीरियंस होना ज़रूरी था, लेकिन बाहर के राज्यों के डॉक्टर्स को नौकरी दी गई है। दो डॉक्टर्स को भर्ती करना था, वे दोनों ही बीडीएस डॉक्टर्स अंडमान निकोबार को मिले। मुख्य भूमि के राज्यों के डॉक्टर्स को नौकरी दी गई है। जिसका विरोध चल रहा है। मैं आपके माध्यम से मांग करूंगा कि अंडमान में हमारे पास डॉक्टर्स हैं, एक्सपीरियंस हैं, इसलिए ऐसे व्यक्तियों को नौकरी दी जाए जो अंडमान निकोबार के हैं। अखिरी में मेरी मांग है कि इस पर 10वीं आईडीए मीटिंग, जो जनवरी 2003 में हुई थी, जिसमें अटल बिहारी वाजपयी जी ने यह पास किया था कि ग्रुप डी और सी पोस्ट के लिए अंडमान निकोबार द्वीप समूह से ही भर्ती हो और उसके लिए स्टेट सर्विस सिलेक्शन कमेटी बनाई जाए। दस साल बीत गए हैं और यूपीए सरकार सोई हुई है। यूपीए सरकार साजिश कर के बाहर से लोगों को अंडमान में भर्ती कर रही है। मैं इसका विरोध करता हूँ। आखिर में दो जीडीएमओ (डेंटल) भर्ती की ग ई है, उसको कैंसल कर के अंडमान निकोबार के डॉक्टरों को नौकरी दी जाए। मेरी उपराज्यपाल महोदय, से यह प्रार्थना है और स्टेट सर्विस सिलेक्शन कमेटी तुंत बनाई जाए।